

23 फरवरी 2024 : समाचार विश्लेषण

A. सामान्य अध्ययन प्रश्न पत्र 1 से संबंधित:

आज इससे संबंधित कुछ नहीं है।

B. सामान्य अध्ययन प्रश्न पत्र 2 से संबंधित:

शासन:

1. आशा की महिलाएं: अधिक काम, कम वेतन और समाप्ति के कगार पर

C. सामान्य अध्ययन प्रश्न पत्र 3 से संबंधित:

आज इससे संबंधित कुछ नहीं है।

D. सामान्य अध्ययन प्रश्न पत्र 4 से संबंधित:

आज इससे संबंधित कुछ नहीं है।

E. संपादकीय:

सुरक्षा:

1. यह अग्रिवीर को प्रभावित करता है जो ध्यान देने योग्य है:

अंतर्राष्ट्रीय संबंध:

1. क्या इंटरपोल के नोटिस का राजनीतिक फायदा उठाया जा रहा है?

F. प्रीलिम्स तथ्य:

1. भारत अल्बानिया की राजधानी में एक राजनयिक मिशन खोलेगा:
2. भारतीय नौसेना हेतु 200 ब्रह्मोस के लिए 19000 करोड़ रुपये का सौदा:
3. गिनी वर्म रोग को समाप्त करने की विश्व की दौड़ समाप्ति रेखा के करीब:

G. महत्वपूर्ण तथ्य:

आज इससे संबंधित कुछ नहीं है।

H. UPSC प्रारंभिक परीक्षा के लिए अभ्यास प्रश्न:

I. UPSC मुख्य परीक्षा के लिए अभ्यास प्रश्न:

सामान्य अध्ययन प्रश्न पत्र 2 से संबंधित:

आशा की महिलाएं: अधिक काम, कम वेतन और समाप्ति के कगार पर

शासन:

विषय: कमजोर वर्गों की सुरक्षा और बेहतरी के लिए गठित तंत्र, कानून, संस्थाएं और निकाय।

मुख्य परीक्षा: कमजोर वर्ग से संबंधित मुद्दे।

विवरण:

- मितानिनों (Mitnans) से प्रेरित होकर, आशा (ASHA) ढांचा उभरा, जिसने पूरे भारत में लगभग 10 लाख महिलाओं का नेटवर्क स्थापित किया। (Mitnans-मितानिन: छत्तीसगढ़ी में मितानिन का अर्थ है मित्र - महिला मित्र।)
- ये मान्यता प्राप्त सामाजिक स्वास्थ्य कार्यकर्ता स्वास्थ्य सेवाएँ प्रदान करने और समुदायों को स्वास्थ्य सेवा प्रणाली से जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

चुनौतियों का सामना:

- स्वास्थ्य के क्षेत्र में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका के बावजूद, आशा को कई चुनौतियों का सामना करना पड़ता है, जिनमें काम की अधिकता, कम भुगतान और सीमित स्वायत्तता शामिल हैं।
- एक हालिया अध्ययन में लिंग, जाति और अनौपचारिक रोजगार की परस्पर शक्ति की गतिशीलता पर प्रकाश डाला गया है, जो आशा कार्यकर्ताओं के स्वास्थ्य और कल्याण को प्रभावित करता है।

तिगुना बोझ:

- आशा कार्यकर्ताओं पर काम का तिगुना बोझ होता है, जिसमें घरेलू काम, बच्चों की देखभाल की जिम्मेदारियाँ और स्वास्थ्य देखभाल की जिम्मेदारियाँ शामिल हैं।
- यह लगातार काम का बोझ उनके शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य पर बुरा असर डालता है, जिससे उच्च स्तर का तनाव और थकावट होती है।

- आर्थिक और सामाजिक कमजोरियों का सामना करते हुए, स्वास्थ्य देखभाल प्रणाली में आशा कार्यकर्ताओं को कम महत्व दिया जाता है।
- उनकी महत्वपूर्ण भूमिका के बावजूद, उनके पास पर्याप्त सहायता प्रणालियों का अभाव है और उन्हें स्वयं स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुँचने में बाधाओं का सामना करना पड़ता है।

बदलाव के लिए पहल:

- हाल की पहल का उद्देश्य आशा कार्यकर्ताओं की चिंताओं को दूर करना है, जिसमें वेतन, काम करने की स्थिति और सहायता प्रणालियों में सुधार के प्रयास शामिल हैं।
- हालाँकि, उनकी भलाई सुनिश्चित करने और सार्वजनिक स्वास्थ्य में उनके अमूल्य योगदान को पहचानने के लिए प्रणालीगत परिवर्तन की आवश्यकता है।
- आशा कार्यकर्ताओं को सशक्त बनाने और भारत की स्वास्थ्य सेवा प्रणाली को मजबूत करने के लिए उचित वेतन, बेहतर कामकाजी परिस्थितियों की वकालत और उनके योगदान की मान्यता आवश्यक है।
- आशा कार्यकर्ताओं का समर्थन करके, हम देश भर के समुदायों के लिए स्वास्थ्य देखभाल पहुँच और परिणामों को बढ़ा सकते हैं।

निष्कर्ष:

- आशा की कहानी स्वास्थ्य देखभाल में महिलाओं को सशक्त बनाने के महत्व को रेखांकित करती है।
- प्रणालीगत असमानताओं को दूर करके और उनके अधिकारों की वकालत करके, हम एक अधिक समावेशी और न्यायसंगत स्वास्थ्य देखभाल प्रणाली बना सकते हैं जो सभी व्यक्तियों और समुदायों की जरूरतों को पूरा करती है।

सारांश:

- मितानिन से आशा तक की यात्रा स्वास्थ्य देखभाल की कमियों को दूर करने और सामुदायिक कल्याण को बढ़ावा देने में सशक्त महिलाओं की महत्वपूर्ण भूमिका को दर्शाती है। आशा के लिए समर्थन और मान्यता को प्राथमिकता देकर, हम एक अधिक लचीली और समावेशी स्वास्थ्य देखभाल प्रणाली का मार्ग प्रशस्त करते हैं जो देखभाल करने वालों और समुदायों दोनों का समान रूप से उत्थान करती है।

संपादकीय-द हिन्दू**संपादकीय:**

यह अग्रिवीर को प्रभावित करता है जो ध्यान देने योग्य है:

सामान्य अध्ययन प्रश्न पत्र 3 से संबंधित:

सुरक्षा:

विषय: विभिन्न सुरक्षा बल और एजेंसियां और उनका अधिदेश।

मुख्य परीक्षा: अग्रिपथ योजना में सुधार की आवश्यकता।

विवरण:

- सरकार द्वारा वर्ष 2022 में शुरू की गई अग्रिपथ योजना का उद्देश्य भारतीय सशस्त्र बलों के लिए भर्ती प्रक्रिया में सुधार करना है।
- अग्रिवीरों के रूप में संदर्भित, ये रंगरूट प्रतिधारण की संभावना के साथ अल्प-सेवा कार्यकाल से गुजरते हैं।
- अग्रिवीर पर प्रारंभिक प्रतिक्रिया सकारात्मक परिणामों का सुझाव देती है, लेकिन एक व्यापक मूल्यांकन समय से पहले हो रहा है।

भावी चुनौतियां:

- इकाई कमांडरों को अग्रिवीरों के सामने आने वाली व्यक्तिगत क्षमताओं से परे चुनौतियों को स्वीकार करना चाहिए।
- इकाई संरचना में मनोवैज्ञानिक समावेश और प्रभावी टीम वर्क सर्वोपरि हैं।
- युद्ध प्रभावशीलता के लिए इकाई गौरव, एकजुटता और सौहार्द महत्वपूर्ण हैं।
- मानवीय तत्व युद्ध स्थितियों में तकनीकी प्रगति का स्थान लेता है।

मानवीय तत्व पर ध्यान दें:

- इकाई नेताओं को अग्रिवीरों के भीतर मानवीय तत्व के पोषण को प्राथमिकता देनी चाहिए।
- इकाई लोकाचार में निहित मूल्य-आधारित प्रशिक्षण शुरू से ही आवश्यक है।
- साथियों के साथ खड़े रहने और इकाई एकजुटता को बढ़ावा देने पर जोर देना महत्वपूर्ण है।
- अवांछनीय व्यक्तित्व लक्षणों को रोकना और टीम वर्क को बढ़ावा देना प्रमुख चुनौतियाँ हैं।

प्रतिधारण और प्रतिस्पर्धा:

- अग्रिवीरों के बीच प्रतिधारण बनाम अस्वीकृति की गतिशीलता अस्वस्थ प्रतिस्पर्धा को जन्म दे सकती है।
- इकाई सामंजस्य को बढ़ावा देने के लिए एक- श्रेष्ठता को हतोत्साहित किया जाना चाहिए।
- इकाई लक्ष्यों का समर्थन करने के लिए अग्रिवीरों को प्रभावित करना दीर्घकालिक इकाई स्वास्थ्य के लिए महत्वपूर्ण है।
- भर्ती में मनोवैज्ञानिक परीक्षण शुरू करने से बेहतर प्रबंधन और संवारने में मदद मिल सकती है।

निष्कर्ष:

- सरकार को अग्रिपथ योजना के निरंतर मूल्यांकन और परिशोधन पर विचार करना चाहिए।

- अग्रिवीरों को प्रभावी टीम सदस्यों के रूप में आकार देने में इकाई कमांडर महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।
- सैन्य प्रभावशीलता के लिए तकनीकी दक्षता और मानवीय कारकों के बीच संतुलन आवश्यक है।

सारांश:

- भारतीय सशस्त्र बलों की भर्ती में सुधार करने वाली अग्रिपथ योजना को अग्रिवीरों को प्रभावी ढंग से एकीकृत करने में चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। इकाई एकजुटता, मनोवैज्ञानिक आत्मसात्करण और रंगरूटों के बीच अस्वस्थ प्रतिस्पर्धा को रोकना इसकी सफलता के लिए महत्वपूर्ण है।

क्या इंटरपोल के नोटिस का राजनीतिक फायदा उठाया जा रहा है?

सामान्य अध्ययन प्रश्न पत्र 2 से संबंधित:

अंतर्राष्ट्रीय संबंध:

विषय: महत्वपूर्ण अंतर्राष्ट्रीय संस्थाएँ, एजेंसियाँ और मंच - उनकी संरचना, अधिदेश।

प्रारंभिक परीक्षा: इंटरपोल और विभिन्न प्रकार के नोटिसों से सम्बन्धित जानकारी।

मुख्य परीक्षा: इंटरपोल का दुरुपयोग।

विवरण:

- इंटरपोल, 194 सदस्य देशों के साथ, अपनी नोटिस प्रणाली के माध्यम से अंतर्राष्ट्रीय अपराधों से निपटने के लिए अंतर्राष्ट्रीय पुलिस सहयोग की सुविधा प्रदान करता है।
- सात अलग-अलग प्रकार के नोटिस मौजूद हैं: लाल, पीला, नीला, काला, हरा, नारंगी और बैंगनी।

ब्लू कॉर्नर नोटिस को समझना:

- "पूछताछ नोटिस" के रूप में भी जाना जाता है, ब्लू कॉर्नर नोटिस सदस्य राज्यों के पुलिस बलों को महत्वपूर्ण अपराध-संबंधी जानकारी साझा करने में सक्षम बनाता है।

- साझा की गई जानकारी में आपराधिक रिकॉर्ड, स्थान सत्यापन और पहचान सत्यापन शामिल हैं।

उदाहरण:

- जनवरी 2020 में इंटरपोल ने स्वयंभू बाबा नित्यानंद का पता लगाने के लिए ब्लू कॉर्नर नोटिस जारी किया था।

विरोधाभासी रेड और ब्लू कॉर्नर नोटिस:

- रेड कॉर्नर नोटिस वांछित अपराधियों को प्रत्यर्पण या कानूनी कार्रवाई के लिए गिरफ्तार करने के लिए जारी किए जाते हैं, आमतौर पर आपराधिक सजा के बाद।
- ब्लू कॉर्नर नोटिस आपराधिक आरोपों से पहले और प्रारंभिक जांच में सहायता करते हैं।
- रेड कॉर्नर नोटिस के निहितार्थ में यात्रा के दौरान गिरफ्तारी और बैंक खाते बंद करना शामिल है।
- इंटरपोल रेड-कॉर्नर नोटिस के आधार पर गिरफ्तारी के लिए बाध्य नहीं कर सकता; विवेकाधिकार कानून प्रवर्तन अधिकारियों के पास है।

सूचना प्रणाली के दुरुपयोग के उदाहरण:

- इंटरपोल की नोटिस प्रणाली के राजनीतिक शोषण के संबंध में चिंताएं मौजूद हैं, जो राजनीतिक चरित्र की गतिविधियों के खिलाफ इसके संविधान के निषेध का उल्लंघन है।
- रूस पर क्रेमलिन विरोधियों के खिलाफ बार-बार नोटिस जारी करने का आरोप लगाया गया है, जो सार्वजनिक रेड नोटिस के एक महत्वपूर्ण हिस्से के लिए जिम्मेदार है।
- चीन, ईरान, तुर्की और ट्यूनीशिया जैसे अन्य देशों को भी सत्तावादी उद्देश्यों के लिए नोटिस प्रणाली का दुरुपयोग करने के आरोपों का सामना करना पड़ा है।

इंटरपोल की प्रतिक्रिया और चल रही चुनौतियाँ:

- आलोचना के जवाब में, इंटरपोल ने अपने रेड नोटिस सिस्टम की निगरानी बढ़ा दी, लेकिन कमजोरियाँ बनी हुई हैं, खासकर ब्लू नोटिस जारी करने के संबंध में।
- पिछले एक दशक में ब्लू नोटिस की संख्या दोगुनी हो गई है, जिससे अपर्याप्त समीक्षा प्रक्रियाओं के बारे में चिंताएं बढ़ गई हैं।
- कुछ देशों का तर्क है कि नोटिस जारी करने में संयम बरतने से पुलिस सहयोग में बाधा आती है और वे आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप को अनुचित मानते हैं, जो अंतरराष्ट्रीय सहयोग और संप्रभुता को संतुलित करने के बारे में चल रही बहस को दर्शाता है।

सारांश:

- अंतरराष्ट्रीय पुलिस सहयोग के लिए महत्वपूर्ण इंटरपोल की नोटिस प्रणाली, संभावित राजनीतिक शोषण को लेकर जांच का सामना कर रही है। प्रारंभिक जांच के लिए बनाए गए ब्लू कॉर्नर नोटिस में रेड नोटिस की तुलना में कठोर समीक्षा का अभाव होता है, जो सहयोग और संप्रभुता के बीच संतुलन बनाने में चल रही चुनौतियों को उजागर करता है।

प्रीलिम्स तथ्य:**1. भारत अल्बानिया की राजधानी में एक राजनयिक मिशन खोलेगा:****प्रसंग:**

- अल्बानिया के विदेश मंत्री, इग्ली हसनी ने तिराना में एक राजनयिक मिशन स्थापित करने के भारत के इरादे का समर्थन करते हुए, नई दिल्ली में एक दूतावास खोलने की योजना का खुलासा किया।

मुद्दा:

- रायसीना डायलॉग (Raisina Dialogue) की अपनी यात्रा के दौरान, हसनी ने भारत के साथ घनिष्ठ व्यापार संबंधों की वकालत करते हुए, यूरोप और एशिया को जोड़ने वाली अल्बानिया की रणनीतिक स्थिति पर जोर दिया।

- गाजा संघर्ष के बावजूद, उन्होंने भारत-मध्य पूर्व आर्थिक गलियारे को आगे बढ़ाने के महत्व पर जोर दिया। ग्रीस से सटी 500 किमी लंबी तटरेखा के साथ, अल्बानिया भारत और यूरोप को जोड़ने वाली कनेक्टिविटी परियोजनाओं में भाग लेना चाहता है।
- हसनी ने अल्बानिया के तेजी से आर्थिक विकास और भारत के साथ आर्थिक संबंधों को मजबूत करने की आवश्यकता पर प्रकाश डाला, विशेष रूप से 2023 में 1 करोड़ से अधिक पर्यटकों का स्वागत करने के बाद।

महत्व:

- वर्तमान में मानद महावाणिज्यदूत दीक्षु कुकरेजा द्वारा इसका प्रतिनिधित्व किया गया, अल्बानिया भारत के साथ सांस्कृतिक और भाषाई संबंध साझा करता है, जो अल्बानियाई भाषा और संस्कृति के बीच ऐतिहासिक संबंधों में निहित है।

2. भारतीय नौसेना हेतु 200 ब्रह्मोस के लिए 19000 करोड़ रुपये का सौदा:

प्रसंग:

- भारतीय नौसेना के लिए 200 से अधिक ब्रह्मोस (BrahMos) सुपरसोनिक क्रूज मिसाइलों और संबंधित उपकरणों की खरीद के लिए भारत सरकार की हालिया मंजूरी देश की रक्षा क्षमताओं में एक महत्वपूर्ण प्रगति का प्रतीक है।

मुद्दा:

- यह निर्णय अपनी नौसैनिक ताकत को बढ़ाने के लिए भारत की प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है।
- विभिन्न नौसैनिक जहाजों पर तैनाती के लिए निर्धारित इन मिसाइलों का उद्देश्य नौसेना की युद्ध तत्परता और परिचालन प्रभावशीलता को बढ़ाना है।

- अधिग्रहण योजना में विभिन्न रेंज वाली ब्रह्मोस मिसाइलों का मिश्रण शामिल है, जिसमें नवीनतम विस्तारित रेंज संस्करण भी शामिल है जो लगभग 450 किमी की दूरी तय करने में सक्षम है।

महत्व:

- यह खरीद अपने रक्षा बुनियादी ढांचे को मजबूत करने और क्षेत्र में अपने समुद्री हितों की सुरक्षा के लिए भारत के सक्रिय दृष्टिकोण का संकेत देती है।

3. गिनी वर्म रोग को समाप्त करने की विश्व की दौड़ समाप्ति रेखा के करीब:

प्रसंग:

- विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) की रिपोर्ट के अनुसार, गिनी वर्म रोग में गिरावट वैश्विक सार्वजनिक स्वास्थ्य में एक बड़ी उपलब्धि का प्रतीक है, जिसके 1980 के दशक में रिपोर्ट किए गए मामले लाखों से घटकर 2023 में मात्र छह रह गए हैं।

सम्बन्धित जानकारी:

- टीकों द्वारा मुकाबला की जाने वाली बीमारियों के विपरीत, गिनी वर्म रोग के लिए उच्च तकनीक समाधानों के बजाय मौलिक सार्वजनिक स्वास्थ्य रणनीतियों पर निर्भरता की आवश्यकता होती है।
- परजीवी बीमारी असहनीय दर्द और दुर्बलता पैदा करती है, जो मुख्य रूप से स्वच्छ पानी और स्वास्थ्य देखभाल तक सीमित पहुंच वाले गरीब क्षेत्रों को प्रभावित करती है।
- 1990 के दशक में भारत द्वारा इस बीमारी का सफल उन्मूलन समुदाय-संचालित रोकथाम प्रयासों और अंतरक्षेत्रीय समन्वय की प्रभावकारिता को रेखांकित करता है।
- महत्वपूर्ण प्रगति के बावजूद, पशु भंडार और सामाजिक-राजनीतिक अशांति जैसी चुनौतियाँ बनी हुई हैं, जिससे पूर्ण उन्मूलन में देरी हो रही है।

महत्व:

- गिनी वर्म रोग के खिलाफ वैश्विक प्रयास मानवता के लचीलेपन और सार्वजनिक स्वास्थ्य के प्रति सामूहिक प्रतिबद्धता का प्रतीक है, जो कमजोर समुदायों पर स्वास्थ्य असमानताओं को दूर करने के गहरे प्रभाव पर जोर देता है।

महत्वपूर्ण तथ्य:

आज इससे संबंधित कुछ नहीं है।

UPSC प्रारंभिक परीक्षा के लिए अभ्यास प्रश्न:

प्रश्न 1. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. मित्र शक्ति अभ्यास भारत और इंडोनेशिया के बीच एक द्विपक्षीय सैन्य अभ्यास है।
2. भारत और मालदीव 2009 से एकुवेरिन नामक संयुक्त सैन्य अभ्यास कर रहे हैं।
3. दोस्ती त्रिपक्षीय अभ्यास एक द्विवार्षिक तट रक्षक अभ्यास है जिसमें भारत, श्रीलंका और थाईलैंड शामिल हैं।

उपर्युक्त कथनों में से कितने कथन सही है/हैं?

- (a) केवल 1 और 2
- (b) केवल 2
- (c) केवल 2 और 3
- (d) ऊपर के सभी

उत्तर: b

व्याख्या:

- कथन 1 गलत है: मित्र शक्ति का प्राथमिक उद्देश्य भारतीय और श्रीलंकाई सेनाओं के बीच सहयोग और आपसी समझ को बढ़ाना है।
- कथन 2 सही है: एकुवेरिन अभ्यास दो पड़ोसी देशों- भारत और मालदीव के बीच आयोजित होने वाला एक संयुक्त सैन्य अभ्यास है। यह वर्ष 2009 से आयोजित किया जाता है।

- कथन 3 ग़लत है: दोस्ती त्रिपक्षीय अभ्यास 5 दिवसीय द्विवार्षिक तट रक्षक अभ्यास है जिसमें भारत, श्रीलंका और मालदीव शामिल हैं। यह अभ्यास भारत और मालदीव के बीच वर्ष 1991 में शुरू हुआ था, जिसमें श्रीलंका 2012 में शामिल हुआ था।

प्रश्न 2. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. G20 की स्थापना 1999 में एशियाई वित्तीय संकट के बाद वित्त मंत्रियों और केंद्रीय बैंक के गवर्नरों के लिए वैश्विक आर्थिक और वित्तीय मुद्दों पर चर्चा करने के लिए एक मंच के रूप में की गई थी।
2. 2023 के शिखर सम्मेलन के दौरान वियतनाम इसके 21वें सदस्य के रूप में शामिल हुआ।

उपर्युक्त कथनों में से कितने सही है/हैं?

- (a) केवल 1
- (b) केवल 2
- (c) 1 और 2 दोनों
- (d) उपरोक्त में से कोई नहीं

उत्तर: a

व्याख्या:

- कथन 1 सही है: G20 की स्थापना 1999 में एशियाई वित्तीय संकट के बाद वित्त मंत्रियों और केंद्रीय बैंक के गवर्नरों के लिए वैश्विक आर्थिक और वित्तीय मुद्दों पर चर्चा करने के लिए एक मंच के रूप में की गई थी।
- कथन 2 ग़लत है: वर्ष 2023 में अफ्रीकी संघ, 2023 शिखर सम्मेलन के दौरान इसके 21वें सदस्य के रूप में शामिल हुआ।

प्रश्न 3. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. जवाहर प्वाइंट शेकलटन क्रेटर के पास वह स्थान है जहां 2008 में चंद्रयान-1 का मून इम्पैक्ट प्रोब (एमआईपी) चंद्रमा की सतह पर उतरा था।
2. शिव शक्ति प्वाइंट भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के तीसरे चंद्र मिशन चंद्रयान-3 का लैंडिंग स्थल है।

उपर्युक्त कथनों में से कितने सही है/हैं?

- (a) केवल 1
- (b) केवल 2
- (c) 1 और 2 दोनों
- (d) उपरोक्त में से कोई नहीं

उत्तर: c

व्याख्या:

- कथन 1 सही है: जवाहर प्वाइंट या जवाहर स्थल शेकलटन क्रेटर के पास वह स्थान है जहां चंद्रयान-1 का मून इम्पैक्ट प्रोब (एमआईपी) 14 नवंबर 2008 को चंद्र सतह पर उतरा था।
- कथन 2 सही है: शिव शक्ति प्वाइंट भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के तीसरे चंद्र मिशन चंद्रयान-3 का लैंडिंग स्थल है।

प्रश्न 4. स्टीम मीथेन रिफॉर्मिंग (SMR) एक परिपक्व उत्पादन प्रक्रिया है जिसका उपयोग निम्न में से किसके उत्पादन में किया जाता है?

- (a) प्लास्टिक पॉलिमर
- (b) चीनी मिट्टी
- (c) हाइड्रोजन
- (d) सूखी बर्फ

उत्तर: c

व्याख्या:

- स्टीम मीथेन रिफॉर्मिंग (एसएमआर) के रूप में जानी जाने वाली प्रक्रिया में प्राकृतिक गैस से मीथेन को भाप के साथ गर्म करना और आमतौर पर हाइड्रोजन और कार्बन मोनोऑक्साइड का मिश्रण बनाने के लिए उत्प्रेरक होता है जिसका उपयोग रासायनिक संश्लेषण और ईंधन के रूप में किया जाता है।

प्रश्न 5. बोलगार्ड I और बोलगार्ड II प्रौद्योगिकियों का उल्लेख निम्नलिखित के संदर्भ में किया गया है?

- (a) फसल पौधों का क्लोनल प्रसार
- (b) आनुवंशिक रूप से संशोधित फसल पौधों का विकास
- (c) पादप वृद्धि पदार्थों का उत्पादन
- (d) जैव उर्वरकों का उत्पादन

उत्तर: b

व्याख्या:

- आनुवंशिक रूप से संशोधित फसल पौधों को विकसित करने के संदर्भ में बोलार्ड I और बोलार्ड II प्रौद्योगिकियों का उल्लेख किया गया है।

UPSC मुख्य परीक्षा के लिए अभ्यास प्रश्न:

प्रश्न 1. आशा कार्यकर्ताओं को अनौपचारिक रोजगार क्षेत्र में गंभीर चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। (15 अंक, 250 शब्द) [जीएस-2, स्वास्थ्य/सामाजिक न्याय] (ASHA workers continue to face critical challenges in the informal employment sector. (15 marks, 250 words) [GS-2, Health/Social Justice])

प्रश्न 2. अग्निवीर योजना रक्षा बलों की संरचना और प्रबंधन को कैसे बदल देगी? इस पहल से जुड़ी कुछ चुनौतियों पर चर्चा कीजिए। (15 अंक, 250 शब्द) [जीएस-3, आंतरिक सुरक्षा] (How will the Agniveer scheme change the structure and management of the Defense forces? Discuss a few challenges associated with the initiative. (15 marks, 250 words) [GS-3, Internal Security])

(नोट: मुख्य परीक्षा के अंग्रेजी भाषा के प्रश्नों पर क्लिक कर के आप अपने उत्तर **BYJU'S** की वेब साइट पर अपलोड कर सकते हैं।)